केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' मिशन का शुभारंभ

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिये भारत सरकार द्वारा सन् 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की गई थी। इसी कड़ी में इस वर्ष भी स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निर्देशानुसार केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान में यह अभियान 16 दिसम्बर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022 तक चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डा. अश्वनी कुमार ने बताया कि इस दौरान संस्थान के अन्दर व बाहर तथा कई गांवो में सफाई अभियान चलाया जाएगा।

इस कार्यक्रम का प्रारम्भ आज संस्थान के निदेशक डा. पी. सी. शर्मा ने अपने संबोधन के साथ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को अपनाना प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है क्योंकि अधिकतर बीमारियाँ जैसे कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, इत्यादि गंदगी से ही पनपती हैं यदि हम अपने आस–पास का क्षेत्र साफ रखें तो ये बीमारियाँ कभी नहीं होंगी और हम बीमार नहीं होंगे। यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी है। पर्यावरण के लिए हम सभी को ही जागरूक होने की आवश्यकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए हमको साफ–सफाई का भी बहुत ध्यान रखना चाहिए। प्लास्टिक की थैली आदि से जो गंदगी और प्रदूषण फैल रहा है वो एक चिंता का विषय बन चुका है क्योंकि इससे हमारे पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को सजग रहना बहुत जरूरी है। अतः गंदगी व बीमारी से बचने का एकमात्र कारगर उपाय अपने आस–पास सफाई रखना है। उन्होने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक अपशिष्ट कचरे से धन अर्जन करना, पॉलीथीन मुक्त स्थिति, रसोई और घर के कचरे का खाद के रूप में प्रयोग, कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे कप, ग्लास इत्यादि का प्रयोग पूर्ण रूप से बंद करने तथा अन्य उत्पाद जैसे बैनर, फोल्डर इत्यादि कम से कम प्रयोग करने का आह्वान भी किया उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी इस स्वच्छता अभियान को सेवा तथा कर्तव्य समझकर भाग लें तथा कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली।